



# United Liberal FOUNDATION

(EDUCATION is ABOUT creating leaders for tomorrow)

Reference Number:- IND/WB/ULF/NCERT/2022/0003

Date:- 21 June 2022

## CBSE Class 9 History Notes Chapter 3 – Nazism and the Rise of Hitler PDF

### सीबीएसई कक्षा 9 इतिहास नोट्स अध्याय 3 - नाज़ीवाद और हिटलर का उदय PDF

#### Birth of the Weimar Republic

#### वीमर गणराज्य का जन्म

In the early years of the twentieth century, Germany fought the First World War (1914-1918) alongside the Austrian empire and against the Allies (England, France and Russia.). All resources of Europe were drained out because of the war. Germany occupied France and Belgium. But, unfortunately, Allies, strengthened by the US entry in 1917, won, defeating Germany and the Central Powers in November 1918. At Weimar, the National Assembly met and established a democratic constitution with a federal structure. In the German Parliament, deputies were elected on the basis of equal and universal votes cast by all adults including women. Germany lost its overseas colonies. The War Guilt Clause held Germany responsible for the war and damages the Allied countries suffered. The Allied armies occupied Rhineland in the 1920s.

बीसवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में, जर्मनी ने ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के साथ और मित्र राष्ट्रों (इंग्लैंड, फ्रांस और रूस) के खिलाफ प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) लड़ा। युद्ध के कारण यूरोप के सभी संसाधन समाप्त हो गए। जर्मनी ने फ्रांस और बेल्जियम पर कब्जा कर लिया। लेकिन, दुर्भाग्य से, 1917 में अमेरिकी प्रवेश से मजबूत हुए मित्र राष्ट्रों ने नवंबर 1918 में जर्मनी और केंद्रीय शक्तियों को हराकर जीत हासिल की। वेइमर में, नेशनल असेंबली की बैठक हुई और एक संघीय ढांचे के साथ एक लोकतांत्रिक संविधान की स्थापना की। जर्मन संसद में, महिलाओं सहित सभी वयस्कों द्वारा डाले गए समान और सार्वभौमिक वोटों के आधार पर प्रतिनिधि चुने गए थे। जर्मनी ने अपने विदेशी उपनिवेश खो दिए। वॉर गिल्ट क्लॉज ने जर्मनी को युद्ध के लिए जिम्मेदार ठहराया और मित्र देशों को नुकसान पहुंचाया। 1920 के दशक में मित्र देशों की सेनाओं ने राइनलैंड पर कब्जा कर लिया।

#### The Effects of the War

#### युद्ध के प्रभाव

The entire continent was devastated by the war both psychologically and financially. The war of guilt and national humiliation was carried by the republic and was financially crippled by being forced to pay compensation. Socialists, Catholics and Democrats, supported the Weimar Republic and they were mockingly called the 'November criminals'. The First World War left a deep imprint on European society and polity. Soldiers are placed above civilians but unfortunately, soldiers lived a miserable life. Democracy was a young and fragile idea, which could not survive the instabilities of interwar Europe.

युद्ध से पूरा महाद्वीप मानसिक और आर्थिक रूप से तबाह हो गया था। अपराध और राष्ट्रीय अपमान का युद्ध गणतंत्र द्वारा चलाया गया था और मुआवजे का भुगतान करने के लिए मजबूर होने के कारण आर्थिक रूप से अपंग हो गया था। समाजवादी, कैथोलिक और डेमोक्रेट्स ने वीमर गणराज्य का समर्थन किया और उन्हें मजाक में 'नवंबर अपराधी' कहा गया। प्रथम विश्व युद्ध ने यूरोपीय समाज और राजनीति पर गहरी छाप छोड़ी। सैनिकों को नागरिकों से ऊपर रखा जाता है लेकिन दुर्भाग्य से, सैनिकों ने एक दयनीय जीवन व्यतीत किया। लोकतंत्र एक युवा और नाजुक विचार था, जो इंटरवार यूरोप की अस्थिरताओं से नहीं बच सका।

## Political Radicalism and Economic Crises

### राजनीतिक कट्टरवाद और आर्थिक संकट

The Weimar Republic birth coincided with the revolutionary uprising of the Spartacist League on the pattern of the Bolshevik Revolution in Russia. They crushed the uprising with the help of a war veterans organisation called Free Corps. Communists and Socialists became enemies. Political radicalisation heightened by the economic crisis of 1923. Germany refused to pay, and the French occupied its leading industrial area, Ruhr, to claim their coal. The image of Germans carrying cartloads of currency notes to buy a loaf of bread was widely publicised evoking worldwide sympathy. This crisis came to be known as hyperinflation, a situation when prices rise phenomenally high.

वीमर गणराज्य का जन्म रूस में बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर स्पार्टासिस्ट लीग के क्रांतिकारी विद्रोह के साथ हुआ। उन्होंने फ्री कॉर्प्स नामक युद्ध के दिग्गज संगठन की मदद से विद्रोह को कुचल दिया। कम्युनिस्ट और समाजवादी दुश्मन बन गए। 1923 के आर्थिक संकट से राजनीतिक कट्टरता बढ़ गई। जर्मनी ने भुगतान करने से इनकार कर दिया, और फ्रांसीसी ने अपने कोयले का दावा करने के लिए अपने प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, रुहर पर कब्जा कर लिया। रोटी की एक रोटी खरीदने के लिए मुद्रा नोटों के कार्टलोड ले जाने वाले जर्मनों की छवि को व्यापक रूप से दुनिया भर में सहानुभूति पैदा करने के लिए प्रचारित किया गया था। इस संकट को हाइपरइन्फ्लेशन के रूप में जाना जाने लगा, एक ऐसी स्थिति जब कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि होती है।

### The Years of Depression

#### अवसाद के वर्ष

The years between 1924 and 1928 saw some stability. The support of short-term loans was withdrawn when the Wall Street Exchange crashed in 1929. Great Economic Depression started and over the next three years, between 1929 and 1932, the national income of the USA fell by half. The economy of Germany was the worst hit. Workers became jobless and went on streets with placards saying, 'Willing to do any work'. Youth indulged themselves in criminal activities. The middle class and small businessmen were filled with the fear of proletarianisation, anxiety of being reduced to the ranks of the working class or unemployment. Politically also the Weimar Republic was fragile. The Weimar constitution due to some inherent defects made it unstable and vulnerable to dictatorship. One inherent defect was proportional representation. Another defect was Article 48, which gave the President the powers to impose emergency, suspend civil rights and rule by decree.

1924 और 1928 के बीच के वर्षों में कुछ स्थिरता देखी गई। 1929 में वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अल्पकालिक ऋणों का समर्थन वापस ले लिया गया था। महान आर्थिक मंदी शुरू हुई और अगले तीन वर्षों में, 1929 और 1932 के बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय आय आधी हो गई। जर्मनी की अर्थव्यवस्था सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई। मजदूर बेरोजगार हो गए और 'कोई भी काम करने को तैयार', तख्तियां लिए सड़कों पर निकल पड़े। युवक आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे। मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायी सर्वहाराकरण के भय से भर गए, मजदूर वर्ग या बेरोजगारी की श्रेणी में आने की चिंता से। राजनीतिक रूप से भी वीमर गणराज्य नाजुक था। कुछ अंतर्निहित दोषों के कारण वीमर संविधान ने इसे अस्थिर और तानाशाही के प्रति संवेदनशील बना दिया। एक अंतर्निहित दोष आनुपातिक प्रतिनिधित्व था। एक अन्य दोष अनुच्छेद 48 था, जिसने राष्ट्रपति को आपातकाल लगाने, नागरिक अधिकारों को निलंबित करने और डिक्री द्वारा शासन करने की शक्तियां दीं।

### Hitler's Rise to Power

#### सत्ता में हिटलर का उदय

Hilter rose to power. He was born in 1889 in Austria and spent his youth in poverty. In the First World War, he enrolled for the army, acted as a messenger in the front, became a corporal, and earned medals for bravery. Hitler joined a small group called the German Workers' Party in 1919. He took over the organisation and renamed it the National Socialist German Workers' Party, which later came to be known as the Nazi Party. In 1923, he planned to seize control of Bavaria, march to Berlin and capture power. During the Great Depression, Nazism became a mass movement. After 1929, banks collapsed, businesses shut down, workers lost their jobs and the middle classes were threatened with destitution. In such a situation, Nazi propaganda stirred hopes of a better future.

हिल्टर सत्ता में आए। उनका जन्म 1889 में ऑस्ट्रिया में हुआ था और उन्होंने अपनी युवावस्था गरीबी में बिताई थी। प्रथम विश्व युद्ध में, उन्होंने सेना में दाखिला लिया, मोर्चे पर एक दूत के रूप में काम किया, एक कॉर्पोरल बन गए, और बहादुरी के लिए पदक अर्जित किए। हिटलर 1919 में जर्मन वर्कर्स पार्टी नामक एक छोटे समूह में शामिल हो गया। उसने संगठन को संभाला और इसका नाम बदलकर नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी कर दिया, जिसे बाद में नाजी पार्टी के रूप में जाना जाने लगा। 1923 में, उन्होंने बवेरिया पर नियंत्रण करने, बर्लिन तक मार्च करने और सत्ता पर कब्जा करने की योजना बनाई। महामंदी के दौरान, नाज़ीवाद एक जन आंदोलन बन गया। 1929 के बाद, बैंक ढह गए, व्यवसाय बंद हो गए, श्रमिकों की नौकरी चली गई और मध्यम वर्ग को विनाश की धमकी दी गई। ऐसे में नाजी प्रचार ने बेहतर भविष्य की उम्मीदों को

जगाया।

Hitler was a powerful speaker and his words moved people. In his speech, he promised to build a strong nation, undo the injustice of the Versailles Treaty and restore the dignity of the German people. He also promised employment for those looking for work and a secure future for the youth. He promised to remove all foreign influences and resist all foreign 'conspiracies' against Germany. Hitler started following a new style of politics and his followers held big rallies and public meetings to demonstrate support. According to the Nazi propaganda, Hitler was called a messiah, a saviour, as someone who had arrived to deliver people from their distress.

हिटलर एक शक्तिशाली वक्ता था और उसकी बातों ने लोगों को प्रभावित किया। अपने भाषण में, उन्होंने एक मजबूत राष्ट्र बनाने, वर्साय संधि के अन्याय को पूर्ववत करने और जर्मन लोगों की गरिमा को बहाल करने का वादा किया। उन्होंने काम की तलाश करने वालों के लिए रोजगार और युवाओं के सुरक्षित भविष्य का भी वादा किया। उसने सभी विदेशी प्रभावों को हटाने और जर्मनी के खिलाफ सभी विदेशी 'साजिशों' का विरोध करने का वादा किया। हिटलर ने राजनीति की एक नई शैली का पालन करना शुरू कर दिया और उसके अनुयायियों ने समर्थन प्रदर्शित करने के लिए बड़ी रैलियां और जनसभाएं कीं। नाजी प्रचार के अनुसार, हिटलर को एक मसीहा, एक उद्धारकर्ता कहा जाता था, जो लोगों को उनके संकट से मुक्ति दिलाने के लिए आया था।

## The Destruction of Democracy

### लोकतंत्र का विनाश

President Hindenburg offered the Chancellorship, on 30 January 1933, the highest position in the cabinet of ministers, to Hitler. The Fire Decree of 28 February 1933 suspended civic rights like freedom of speech, press and assembly that had been guaranteed by the Weimar constitution. On 3 March 1933, the famous Enabling Act was passed which established dictatorship in Germany. The state took control over the economy, media, army and judiciary. Apart from the already existing regular police in green uniform and the SA or the Storm Troopers, these included the Gestapo (secret state police), the SS (the protection squads), criminal police and the Security Service (SD).

30 जनवरी 1933 को राष्ट्रपति हिंडनबर्ग ने हिटलर को मंत्रियों के मंत्रिमंडल में सर्वोच्च पद की पेशकश की। 28 फरवरी 1933 के फायर डिक्री ने भाषण, प्रेस और सभा की स्वतंत्रता जैसे नागरिक अधिकारों को निलंबित कर दिया, जिसकी गारंटी वीमर संविधान द्वारा दी गई थी। 3 मार्च 1933 को प्रसिद्ध सक्षम अधिनियम पारित किया गया जिसने जर्मनी में तानाशाही की स्थापना की। राज्य ने अर्थव्यवस्था, मीडिया, सेना और न्यायपालिका पर नियंत्रण कर लिया। हरे रंग की वर्दी में पहले से मौजूद नियमित पुलिस और एसए या स्टॉर्म टूपर्स के अलावा, इनमें गेस्टापो (गुप्त राज्य पुलिस), एसएस (सुरक्षा दस्ते), आपराधिक पुलिस और सुरक्षा सेवा (एसडी) शामिल थे।

## Reconstruction

### पुनर्निर्माण

Economic recovery was assigned to the economist Hjalmar Schacht by Hitler who aimed at full production and full employment through a state-funded work-creation programme. This project produced the famous German superhighways and the people's car, the Volkswagen. Hitler ruled out the League of Nations in 1933, reoccupied the Rhineland in 1936, and integrated Austria and Germany in 1938 under the slogan, One people, One empire and One leader. Schacht advised Hitler against investing hugely in rearmament as the state still ran on deficit financing.

आर्थिक सुधार को हिटलर द्वारा अर्थशास्त्री हल्मार स्कैच को सौंपा गया था, जिसका उद्देश्य राज्य द्वारा वित्त पोषित कार्य-निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से पूर्ण उत्पादन और पूर्ण रोजगार था। इस परियोजना ने प्रसिद्ध जर्मन सुपर हाइवे और लोगों की कार, वोक्सवैगन का उत्पादन किया। हिटलर ने 1933 में लीग ऑफ नेशंस को खारिज कर दिया, 1936 में राइनलैंड पर फिर से कब्जा कर लिया और 1938 में एक लोग, एक साम्राज्य और एक नेता के नारे के तहत ऑस्ट्रिया और जर्मनी को एकीकृत किया। स्कैच ने हिटलर को पुनः शस्त्रीकरण में अत्यधिक निवेश न करने की सलाह दी क्योंकि राज्य अभी भी घाटे के वित्तपोषण पर चल रहा था।

## The Nazi Worldview

### नाजी विश्वदृष्टि

Nazis are linked to a system of belief and a set of practices. According to their ideology, there was no equality between people, but only a racial hierarchy. Racism of Hitler borrowed from thinkers like Charles Darwin and Herbert Spencer. The argument of Nazi was simple: the strongest race would survive and the weak ones would perish. The Aryan race was the finest who retained its purity, became stronger and dominated the world. The other aspect of Hitler's ideology

related to the geopolitical concept of Lebensraum, or living space. Hitler intended to extend German boundaries by moving eastwards, to concentrate all Germans geographically in one place.

नाजियों को विश्वास की एक प्रणाली और प्रथाओं के एक समूह से जोड़ा जाता है। उनकी विचारधारा के अनुसार लोगों के बीच समानता नहीं थी, बल्कि केवल एक नस्लीय पदानुक्रम था। हिटलर का जातिवाद चार्ल्स डार्विन और हर्बर्ट स्पेंसर जैसे विचारकों से उधार लिया गया था। नाजी का तर्क सरल था: सबसे मजबूत जाति बच जाएगी और कमजोर लोग नष्ट हो जाएंगे। आर्य जाति सर्वश्रेष्ठ थी जिसने अपनी पवित्रता बनाए रखी, मजबूत हुई और दुनिया पर हावी रही। हिटलर की विचारधारा का दूसरा पहलू लेबेन्सरायम या रहने की जगह की भू-राजनीतिक अवधारणा से संबंधित है। हिटलर का इरादा पूर्व की ओर बढ़ते हुए जर्मन सीमाओं का विस्तार करना, सभी जर्मनों को भौगोलिक दृष्टि से एक ही स्थान पर केंद्रित करना था।

## **Establishment of the Racial State**

### **नस्लीय राज्य की स्थापना**

Nazis came into power and quickly began to implement their dream of creating an exclusive racial community of pure Germans. They wanted a society of 'pure and healthy Nordic Aryans'. Under the Euthanasia Programme, Helmut's father had condemned to death many Germans who were considered mentally or physically unfit. Germany occupied Poland and parts of Russia, captured civilians and forced them to work as slave labour. Jews remained the worst sufferers in Nazi Germany. Hitler hated Jews based on pseudoscientific theories of race. From 1933 to 1938 the Nazis terrorised, pauperised and segregated the Jews, compelling them to leave the country.

नाज़ी सत्ता में आए और शुद्ध जर्मनों का एक विशेष नस्लीय समुदाय बनाने के अपने सपने को जल्दी से लागू करना शुरू कर दिया। वे 'शुद्ध और स्वस्थ नॉर्डिक आर्यों' का समाज चाहते थे। इच्छामृत्यु कार्यक्रम के तहत, हेल्मुथ के पिता ने कई जर्मनों को मौत की सजा दी थी, जिन्हें मानसिक या शारीरिक रूप से अयोग्य माना जाता था। जर्मनी ने पोलैंड और रूस के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया, नागरिकों को पकड़ लिया और उन्हें गुलाम मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया। नाजी जर्मनी में यहूदी सबसे ज्यादा पीड़ित रहे। नस्ल के छद्म वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर हिटलर यहूदियों से नफरत करता था। 1933 से 1938 तक नाजियों ने यहूदियों को आतंकित, कंगाल और अलग-थलग कर दिया, उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया।

## **The Racial Utopia**

### **नस्लीय यूटोपिया**

Genocide and war became two sides of the same coin. Poland was divided and much of north-western Poland was annexed to Germany.

नरसंहार और युद्ध एक ही सिक्के के दो पहलू बन गए। पोलैंड को विभाजित किया गया था और उत्तर-पश्चिमी पोलैंड का अधिकांश भाग जर्मनी में मिला लिया गया था।

People of Poland were forced to leave their homes and properties. Members of the Polish intelligentsia were murdered in large numbers, Polish children who looked like Aryans were forcibly snatched from their mothers and examined by 'race experts'.

पोलैंड के लोगों को अपने घरों और संपत्तियों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। पोलिश बुद्धिजीवियों के सदस्यों की बड़ी संख्या में हत्या कर दी गई, आर्यों की तरह दिखने वाले पोलिश बच्चों को उनकी माताओं से जबरन छीन लिया गया और 'जाति विशेषज्ञों' द्वारा जांच की गई।

## **Youth in Nazi Germany**

### **नाजी जर्मनी में युवा**

Hitler was interested in the youth of the country. Schools were cleansed and purified. Germans and Jews were not allowed to sit or play together. In the 1940s Jews were taken to the gas chambers. Introduction of racial science to justify Nazi ideas of race. Children were taught to be loyal and submissive, hate Jews and worship Hitler. Youth organisations were responsible for educating German youth in 'the spirit of National Socialism'. At the age of 14, boys had to join the Nazi youth organisation where they were taught to worship war, glorify aggression and violence, condemn democracy, and hate Jews, communists, Gypsies and all those categorised as 'undesirable'. Later, they joined the Labour Service, at the age of 18 and served in the armed forces and enter one of the Nazi organisations. In 1922, the Youth League of the Nazis was founded.

हिटलर को देश के युवाओं में दिलचस्पी थी। स्कूलों की सफाई व सफाई की गई। जर्मनों और यहूदियों को एक साथ बैठने या खेलने की

अनुमति नहीं थी। 1940 के दशक में यहूदियों को गैस चैंबरों में ले जाया गया। नस्ल के नाज़ी विचारों को सही ठहराने के लिए नस्लीय विज्ञान का परिचय। बच्चों को वफादार और विनम्र होना, यहूदियों से नफरत करना और हिटलर की पूजा करना सिखाया गया। जर्मन युवाओं को 'राष्ट्रीय समाजवाद की भावना' में शिक्षित करने के लिए युवा संगठन जिम्मेदार थे। 14 साल की उम्र में, लड़कों को नाज़ी युवा संगठन में शामिल होना पड़ा, जहां उन्हें युद्ध की पूजा करना, आक्रामकता और हिंसा का महिमामंडन करना, लोकतंत्र की निंदा करना और यहूदियों, कम्युनिस्टों, जिप्सियों और उन सभी से नफरत करना सिखाया गया, जिन्हें 'अवांछनीय' के रूप में वर्गीकृत किया गया था। बाद में, वे 18 साल की उम्र में श्रम सेवा में शामिल हो गए और सशस्त्र बलों में सेवा की और नाज़ी संगठनों में से एक में प्रवेश किया। 1922 में, नाज़ियों की यूथ लीग की स्थापना की गई थी।

## **The Nazi Cult of Motherhood**

### **मातृत्व की नाज़ी पंथ**

In Nazi Germany, children were told women were different from men. Boys were taught to be aggressive, masculine and steel hearted and girls were told to become good mothers and rear pure-blooded Aryan children. Girls had to maintain purity of the race, distance from Jews, look after their home and teach their children Nazi values. But all mothers were not treated equally. Honours Crosses were awarded to those who encouraged women to produce more children. Bronze cross for four children, silver for six and gold for eight or more. Women who maintained contact with Jews, Poles and Russians were paraded through the town with shaved heads, blackened faces and placards hanging around their necks announcing 'I have sullied the honour of the nation'.

नाज़ी जर्मनी में बच्चों को बताया जाता था कि महिलाएं पुरुषों से अलग होती हैं। लड़कों को आक्रामक, मर्दाना और स्टील दिल होना सिखाया गया और लड़कियों को अच्छी मां बनने और शुद्ध रक्त वाले आर्य बच्चों को पालने के लिए कहा गया। लड़कियों को नस्ल की पवित्रता बनाए रखनी थी, यहूदियों से दूरी बनानी थी, अपने घर की देखभाल करनी थी और अपने बच्चों को नाज़ी मूल्यों की शिक्षा देनी थी। लेकिन सभी माताओं के साथ समान व्यवहार नहीं किया जाता था। महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वालों को ऑनर्स क्रॉस प्रदान किया गया। चार बच्चों के लिए कांस्य क्रॉस, छह के लिए चांदी और आठ या अधिक के लिए सोना। जिन महिलाओं ने यहूदियों, डंडों और रूसियों के साथ संपर्क बनाए रखा, उन्हें मुंडा सिर, काले चेहरे और गले में तख्तियों के साथ 'मैंने राष्ट्र के सम्मान को कलंकित किया है' की घोषणा के साथ शहर में घुमाया गया।

## **The Art of Propaganda**

### **प्रचार की कला**

Nazis termed mass killings as special treatment, final solution (for the Jews), euthanasia (for the disabled), selection and disinfections. 'Evacuation' meant deporting people to gas chambers. Gas chambers were labelled as "disinfection-areas", and looked like bathrooms equipped with fake showerheads. Nazi ideas were spread through visual images, films, radio, posters, catchy slogans and leaflets. Orthodox Jews were stereotyped and marked and were referred to as vermin, rats and pests. The Nazis made equal efforts to appeal to all the different sections of the population. They sought to win their support by suggesting that Nazis alone could solve all their problems.

नाज़ियों ने सामूहिक हत्याओं को विशेष उपचार, अंतिम समाधान (यहूदियों के लिए), इच्छामृत्यु (विकलांगों के लिए), चयन और कीटाणुशोधन करार दिया। 'निकासी' का मतलब लोगों को गैस चैंबरों में भेजना था। गैस कक्षों को 'कीटाणुशोधन-क्षेत्र' के रूप में लेबल किया गया था, और नकली शावरहेड से सुसज्जित बाथरूम की तरह लग रहे थे। नाज़ी विचारों को दृश्य छवियों, फिल्मों, रेडियो, पोस्टर, आकर्षक नारों और पत्रक के माध्यम से फैलाया गया था। रूढ़िवादी यहूदियों को रूढ़िवादी और चिह्नित किया गया था और उन्हें कीड़े, चूहे और कीट कहा जाता था। नाज़ियों ने आबादी के सभी अलग-अलग वर्गों से अपील करने के लिए समान प्रयास किए। उन्होंने यह सुझाव देकर अपना समर्थन हासिल करने की कोशिश की कि अकेले नाज़ी ही उनकी सभी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

## **Ordinary People and the Crimes against Humanity**

### **साधारण लोग और मानवता के खिलाफ अपराध**

People started seeing the world through Nazi eyes and spoke their Nazi language. They felt hatred and anger against Jews and genuinely believed Nazism would bring prosperity and improve general well-being. Pastor Niemoeller protested an uncanny silence, amongst ordinary Germans against brutal and organised crimes committed in the Nazi empire. Charlotte Beradt's book called the Third Reich of Dreams describes how Jews themselves began believing in the Nazi stereotypes about them.

लोग दुनिया को नाज़ी नज़रों से देखने लगे और अपनी नाज़ी भाषा बोली। वे यहूदियों के प्रति घृणा और क्रोध को महसूस करते थे और वास्तव में मानते थे कि नाज़ीवाद समृद्धि लाएगा और सामान्य कल्याण में सुधार करेगा। पादरी निमोएलर ने नाज़ी साम्राज्य में किए गए क्रूर और

संगठित अपराधों के खिलाफ सामान्य जर्मनों के बीच एक अनोखी चुप्पी का विरोध किया। शार्लोट बेराड्ट की किताब, जिसे ड्रीम्स का तीसरा रैह कहा जाता है, वर्णन करती है कि कैसे यहूदी स्वयं उनके बारे में नाजी रूढ़ियों में विश्वास करने लगे।

## **Knowledge about the Holocaust**

### **प्रलय के बारे में ज्ञान**

The war ended and Germany was defeated. While Germans were preoccupied with their own plight, the Jews wanted the world to remember the atrocities and sufferings they had endured during the Nazi killing operations – also called the Holocaust. When they lost the war, the Nazi leadership distributed petrol to its functionaries to destroy all incriminating evidence available in offices.

युद्ध समाप्त हो गया और जर्मनी हार गया। जबकि जर्मन अपनी दुर्दशा में व्यस्त थे, यहूदी चाहते थे कि दुनिया उन अत्याचारों और कष्टों को याद रखे जो उन्होंने नाजी हत्या अभियानों के दौरान सहे थे - जिसे प्रलय भी कहा जाता है। जब वे युद्ध हार गए, तो नाजी नेतृत्व ने कार्यालयों में उपलब्ध सभी आपत्तिजनक सबूतों को नष्ट करने के लिए अपने पदाधिकारियों को पेट्रोल वितरित किया।



United Liberal Foundation

---

F-21/B Shahi Astabal Garden Reach Road, Kolkata -700024 Near 28 No  
Email : [unitedliberalpart@gmail.com](mailto:unitedliberalpart@gmail.com) Mob: 8017216638/6204607570